vinetur

यूरोपीय संसद स्वास्थ्य नीति में वाइन की भूमिका पर विचार करती है

पैनल के वक्ताओं ने अधिकारियों से बीमारी-रोकथाम नियमों में भोजन के साथ सीमित मात्रा में शराब सेवन और हानिकारक शराब उपयोग के बीच अंतर करने का आग्रह किया।

मंगलवार, 29 सितंबर 2026



वैज्ञानिक, सांसद और वाइन उद्योग के प्रतिनिधि मंगलवार को ब्रसेल्स में यूरोपीय संसद में इस बहस के लिए मिले कि सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में वाइन के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए, जबकि यूरोपीय संस्थान कैंसर, हृदय-वाहिनी रोग और अन्य गैर-संचारी रोगों पर अपना काम तेज कर रहे हैं।

“स्वास्थ्य बहसें: क्या वाइन स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा हो सकती है?” शीर्षक वाले इस आयोजन की मेजबानी केंद्र-वाम सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के इतालवी सांसद डारियो नारदेला ने की और इसका आयोजन Comité Européen des Entreprises Vins ने किया, जो यूरोपीय वाइन कंपनियों का मुख्य व्यापार निकाय है। आयोजकों के अनुसार, चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि क्या नीति-निर्माण में शराब सेवन के पैटर्न, आहार, सामाजिक आदतों और व्यापक जीवनशैली कारकों को ध्यान में रखा जाना चाहिए, बजाय इसके कि सभी शराब सेवन को एक ही तरह से देखा जाए।

यह बैठक ऐसे समय हुई जब यूरोप और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शराब नीति की गहन समीक्षा जारी है। सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने कैंसर और अन्य बीमारियों में शराब की भूमिका से जुड़े मजबूत रोकथाम उपायों की वकालत की है, जबकि उत्पादकों और कुछ सांसदों का तर्क है कि नियमों में हानिकारक शराब सेवन और भोजन के साथ सीमित मात्रा में सेवन के

बीच अंतर होना चाहिए। यह असहमति स्वास्थ्य चेतावनियों, उपभोक्ता जानकारी और आधिकारिक मार्गदर्शन में शराब के जोखिमों को कैसे प्रस्तुत किया जाए, इस पर बहसों में और अधिक स्पष्ट हो गई है।

कार्यक्रम के समापन पर बोलते हुए नारदेला ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा एक केंद्रीय राजनीतिक जिम्मेदारी बनी रहनी चाहिए, लेकिन उन्होंने जोड़ा कि रोकथाम नीति वैज्ञानिक साक्ष्यों पर आधारित होनी चाहिए और लोगों के आहार, जीवनशैली और व्यवहार की जटिलता को प्रतिबिंबित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि वाइन यूरोप की कृषि, आर्थिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है, खासकर ग्रामीण उत्पादक क्षेत्रों में।

वैज्ञानिक पैनल में ससारी विश्वविद्यालय के वरिष्ठ शोधकर्ता जियानी पेस शामिल थे, जो तथाकथित ब्लू ज़ोन्स पर अपने काम के लिए जाने जाते हैं, और एत्तिलियो जाकोसा, एक गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट तथा Istituto per la Ricerca su Vino, Alimentazione e Salute के अध्यक्ष। दोनों वक्ताओं ने तर्क दिया कि दीर्घायु पर शोध को किसी एक कारक तक सीमित नहीं किया जा सकता और इसे व्यापक जीवन-प्रणालियों के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए।

पेस ने सर्दिनिया का उल्लेख किया, जो ब्लू ज़ोन्स शोध में अक्सर उद्धृत क्षेत्रों में से एक है, और कहा कि वहाँ लंबी आयु का संबंध दैनिक शारीरिक गतिविधि, पारंपरिक भोजन, परिवार और समुदाय के संबंधों, तथा सामाजिक संपर्क से रहा है। उन्होंने कहा कि वाइन पारंपरिक रूप से उस परिवेश में मौजूद रही है, आम तौर पर भोजन के साथ और सीमित मात्रा में सेवन की जाती है, लेकिन उन्होंने इसे व्यापक पैटर्न का केवल एक हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि वाइन और स्वास्थ्य के बीच संबंध वैज्ञानिक रूप से अब भी जटिल और विवादित है।

जाकोसा ने कहा कि विज्ञान को उस जटिलता से निपटना चाहिए, न कि सरलीकृत संदेशों पर निर्भर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि शराब का दुरुपयोग स्पष्ट रूप से हानिकारक है और कुछ लोगों को बिल्कुल नहीं पीना चाहिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि नीति संबंधी निष्कर्ष निकालने से पहले शोधकर्ताओं को मात्रा, सेवन के पैटर्न, क्या शराब भोजन के साथ ली जाती है, और समग्र आहार एवं जीवनशैली संदर्भ की पड़ताल करनी चाहिए।

ये तर्क शराब पर शोध में लंबे समय से चली आ रही बहस को दर्शाते हैं। वर्षों तक कुछ प्रेक्षणात्मक अध्ययनों ने संकेत दिया कि हल्का या सीमित शराब सेवन, खासकर भूमध्यसागरीय संदर्भों में, कुछ हृदय-वाहिनी लाभों से जुड़ा हो सकता है। अधिक हालिया समीक्षाओं और सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों ने इन निष्कर्षों पर सवाल उठाए हैं, यह कहते हुए कि आय, आहार, व्यायाम, धूम्रपान के इतिहास और पूर्व शराब पीने वालों को अध्ययनों में किस तरह समूहित किया जाता है, इन अंतर के कारण साक्ष्य विकृत हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित प्रमुख स्वास्थ्य निकायों ने भी जोर दिया है कि शराब एक कैंसरकारक है और सेवन के कम स्तर पर भी जोखिम बढ़ सकता है।

मंगलवार की चर्चा भर में यह तनाव मौजूद रहा। CEEV की अध्यक्ष मार्ज़िया वार्वालियोने ने कहा कि उद्योग हानिकारक शराब सेवन से जुड़े जोखिमों को स्वीकार करता है और संयम, शिक्षा तथा सूचित विकल्पों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय नीति में हानिकारक सेवन के पैटर्न और वाइन के उस सीमित सेवन के बीच अंतर होना चाहिए, जिसे उन्होंने संतुलित जीवनशैली कहा। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र लोगों को पीने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश नहीं कर रहा, बल्कि ऐसी संस्कृति को बनाए रखना चाहता है जिसमें वाइन चुनने वाले वयस्क इसे जिम्मेदारी से पी सकें।

आयोजकों ने इस चर्चा को कैंसर से आगे के मौजूदा नीति-विमर्शों से जोड़ा, जिनमें हृदय-वाहिनी रोग और व्यापक गैर-संचारी रोग रणनीतियाँ शामिल हैं। कार्यक्रम में विश्व स्वास्थ्य संगठन के जारी कार्य और रोकथाम नीति पर हालिया अंतरराष्ट्रीय चर्चाओं का भी उल्लेख किया गया। इसमें सत्र को “विज्ञान में निहित” बहस बनाए रखने के प्रयास के रूप में प्रस्तुत किया गया, ऐसे समय में जब वाइन पर स्वास्थ्य संबंधी अधिक कड़ी निगरानी हो रही है।

ब्लू ज़ोन्स का विषय कार्यक्रम में केंद्रीय भूमिका में रहा। आयोजकों ने इटली में सर्दिनिया, ग्रीस में इकारिया और कोस्टा रिका में निकोया को स्वस्थ वृद्धावस्था और दीर्घायु के अध्ययन के उदाहरणों के रूप में उद्धृत किया। उनका तर्क था कि इन क्षेत्रों को भोजन की आदतों, शारीरिक गतिविधि, पर्यावरण और सामाजिक संबंधों के संयोजन के माध्यम से समझा जाना

चाहिए, और जहाँ वाइन मौजूद है, उसे एक तत्व के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि निर्णायक कारण के रूप में।

CEEV के महासचिव इग्नासियो सांचेज़ रेकार्टे ने कार्यक्रम के बाद कहा कि यूरोप को कैंसर, हृदय-वाहिनी रोग और अन्य गैर-संचारी बीमारियों के लिए अपने दृष्टिकोण को विकसित करते समय वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं के बीच खुली बातचीत की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि "समूचे-समाज" का दृष्टिकोण जरूरी है और शोधकर्ताओं तथा सार्वजनिक अधिकारियों के साथ-साथ हितधारकों को भी चर्चा का हिस्सा होना चाहिए।

CEEV ने कहा कि वह 24 राष्ट्रीय संघों, दो क्षेत्रीय संघों और चार प्रमुख वाइन कंपनियों के एक कंसोर्टियम के माध्यम से यूरोपीय संघ की वाइन, सुगंधित वाइन और सिरका कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है, और इसके सदस्य 13 EU सदस्य देशों के साथ-साथ स्विट्ज़रलैंड, यूनाइटेड किंगडम और यूक्रेन से हैं। समूह का कहना है कि उसके सदस्य यूरोपीय वाइन निर्यात के 90% से अधिक का प्रतिनिधित्व करते हैं, एक ऐसी स्थिति जो उसे ब्रसेल्स में स्वास्थ्य नीति पर होने वाली बहसों के लेबलिंग, विपणन और पूरे संघ में उपभोक्ता धारणा पर असर को लेकर गहरी रुचि देती है।